



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)  
PART II—Section 3—Sub-Section (II)

प्रामाण्य से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 495 ]

नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 23, 1995/भाद्र 1, 1917

No. 495]

NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 23, 1995/BHADRA 1, 1917

नागरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले और  
सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

नागरिक पूर्ति विभाग

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 अगस्त, 1995

क. जा. 239/ब.---केन्द्रीय सरकार, अग्रिम संचिका अधिनियम, 1952 § 1952 का 74 § की धारा 5 के अधीन चैम्बर ऑफ कमर्स, हापुड द्वारा मान्यता के नवीनीकरण के लिए किए गए आवेदन पर वायदा बाजार आयोग के परामर्श से विचार करके और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में तथा लोकहित में भी होगा, एतद्वारा उक्त अधिनियम की धारा 6 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त चैम्बर को आलू में अग्रिम संचिका के बारे में 7 अक्तूबर, 1995 से 31 दिसम्बर, 1996 § जिसमें ये दोनों दिन शामिल हैं तक की अवधि के लिए मान्यता प्रदान करती है।

2. एतद्वारा मान्यता इस शर्त के अध्याधीन है कि उक्त चैम्बर ऐसे निर्देशों का अनुपालन करेगा जो वायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिए जाएंगे।

[ मि. सं. 12/16/आई. टी./93 ]

सुजीत बनर्जी, संयुक्त सचिव

**MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES, CONSUMER AFFAIRS AND  
PUBLIC DISTRIBUTION**

**(Department of Civil Supplies)**

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 22nd August, 1995

**S.O. 739(E).**—The Central Government, in consultation with the Forward Markets Commission, having considered the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952) by the Chamber of Commerce, Hapur and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the said Act, recognition to the said Chamber for a further period from 7th October, 1995 to 31st December, 1996 (both days inclusive) in respect of forward contracts in potatoes.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Chamber shall comply with such direction as may from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[F. No. 12/16/(IT)/93]

SUJIT BANERJEE, Jt. Secy.